

दे दी अपनी कुर्बानी हिंदुस्तान के लिए लिरिक्स



गाऊं गाथा मैं ऐसे,
उन जवानों के लिए,
दे दी अपनी कुर्बानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।

तर्ज – दिल दीवाने का।

सीने पर गोली खाए,
और सर को नहीं झुकाए,
अपने प्राणों को देकर,
भारत का शान का बढ़ाए,
श्रद्धा और सुमन समर्पित,
उन जवान के लिए,
दे दी अपनी कुरबानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।

नवधा भक्ति के अलावा,
दसवी है देश की भक्ति,
नवधा भक्ति के बराबर,
बस केवल देश की भक्ति,
सोचे जो देश के हित में,
वो है प्यार के लिए,
दे दी अपनी कुरबानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।

उन गद्दारों मिलकर,
अब हम सब मार भगाए,
जो वन्दे मातरम बोले,
बस वो ही रहने पाए,
भारत में नहीं ठिकाना,
बेईमान के लिए,
दे दी अपनी कुरबानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।



है आज भी पैदा होते,
निज स्वार्थ त्याग कर केवल,
भारत की रक्षा करते,
‘रवि’ लिखकर गाए गाना,
हिंदुस्तान के लिए,
दे दी अपनी कुरबानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।

गाऊं गाथा मैं ऐसे,
उन जवानों के लिए,
दे दी अपनी कुर्बानी,
हिंदुस्तान के लिए।bd।

Singer – Ravi Shankar Acharya Ji
8318645050

<https://youtu.be/Omt2JaeqV8U>